INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

REET

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

2022

1+2 LEVEL



HANDWRITTEN NOTES

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

भाग-5 बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ

Whatsapp -https://wa.link/7mh1o2 1 website- https://bit.ly/reet-level-1-notes

1. **मनोविज्ञान – एक परिचय**

2. **बाल विकास –**

   - **वृधि एवं विकास की संकल्पना**
   - **विकास के विभिन्न आयाम एवं सिद्धांत**
   - **विकास को प्रभावित करने वाले कारक (विशेष रूप से परिवार एवं विद्यालय के सन्दर्भ में) एवं अधिगम से उनका सम्बन्ध**

3. **वंशानुक्रम एवं वातावरण की भूमिका**

4. **व्यक्तिगत विभिन्नताएं –**

   अर्थ एवं प्रकार

   व्यक्तिगत विभिन्नताओं को प्रभावित करने वाले कारक

5. **व्यक्तित्व – संकल्पना , प्रकार व व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक , व्यक्तित्व का मापन**

6. **बुद्धि – संकल्पना , सिद्धांत एवं इसका मापन , बहुबुद्धि सिद्धांत एवं इसके निहितार्थ**

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

7. विविध अधिगम कर्ताओं की समझ – पिछड़े , विमंदित , प्रतिभाशाली , सृजनशील , अलाभान्वित – वंचित , विशेष आवश्कता वाले बच्चे एवं अधिगम अक्षमता वाले बच्चे
8. अधिगम में आने वाली कठिनाइयाँ
9. समायोजन की संकल्पना एवं तरीके , समायोजन में अध्यापक की भूमिका
10. समावेशी शिक्षा
11. अधिगम का अर्थ एवं संकल्पना , अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक

अधिगम के सिद्धांत एवं इनके निहितार्थ

बच्चे सीखते कैसे हैं , अधिगम की प्रक्रियाएं चिंतन , कल्पना एवं तर्क

12. अभिप्रेरणा व इसके अधिगम के लिए निहितार्थ , अभिरुचि एवं स्मृति
13. शिक्षण अधिगम की प्रक्रियाएं , राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा – 2005 के सन्दर्भ में शिक्षण अधिगम की व्यूह रचना एवं विधियाँ

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

14. ***आकलन , मापन एवं मूल्यांकन का अर्थ एवं उद्धेश्य , समग्र एवं सतत मूल्यांकन , उपलब्धि परीक्षण का निर्माण , सीखने का प्रतिफल***

15. ***क्रियात्मक अनुसन्धान***

16. ***शिक्षा का अधिकार अधिनियम – 2009 अध्यापकों की भूमिका एवं दायित्व***

17. ***अन्य महत्वपूर्ण तथ्य***

18. ***प्रसिद्ध पुस्तकें व लेखक***

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट -

प्रिय छात्रों, Infusion Notes (इन्फ्यूजन नोट्स) के राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) LEVEL – I के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (8504091672, 8233195718, 9694804063) | किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है | अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 8233195718, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी |



अध्याय – I

मनोविज्ञान – एक परिचय

शिक्षा मनोविज्ञान :-

दोस्तों , शिक्षा मनोविज्ञान दो शब्दों से मिलकर बना है शिक्षा + मनोविज्ञान।

सर्वप्रथम शिक्षा क्या हैं :- शिक्षा शब्द की उत्पत्ति शिक्ष धातु से (संस्कृत भाषा)हुई है जिसका अर्थ होता है, सीखना।

शिक्षा के तीन आयाम -

शिक्षक छात्र पाठ्यक्रम

*जॉन डी. वी. के अनुसार :- त्रिध्रुवीय -

1. शिक्षक
2. छात्र
3. पाठ्यक्रम

*जॉन एडम्स के अनुसार :-

द्वि ध्रुवीय - शिक्षक _____ छात्र

- एज्युकेशन शब्द की उत्पत्ती लैटिन भाषा के एडुकेटम से हुई है।
- एडुकेटम का अर्थ - अंदर से बाहर निकालना।

- शिक्षा का संकीर्ण अर्थ :- वह शिक्षा जो निश्चित समय व स्थान से संबंधित होती है।
- शिक्षा का व्यापक अर्थ :- वह शिक्षा जो समय व स्थान से संबंधित नहीं होती है, अपितु आजीवन चलती रहती है।

3 R = लिखना, पढ़ना, गणना करना। (Reading, Writing, Arthamatic

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

4 H = मानसिक विकास - Head

भावात्मक विकास - Heart

क्रियात्मक विकास - Hand

शारीरिक विकास -Health

3 H का श्रेय / वर्तमान शिक्षा के विकास का श्रेय - पेस्टोलोजी।

परिभाषाएं :-

= **स्वामी विवेकानंद :-** मनुष्य में अंतर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति ही शिक्षा है।

= **महात्मा गाँधी :-** शिक्षा से मेरा तात्पर्य बालक या मनुष्य के शरीर, मस्तिष्क तथा आत्मा की सर्वोत्तम विकास की अभिव्यक्ति है।

= **जॉन डी. वी :-** शिक्षा व्यक्ति की उन सभी योग्यताओं का विकास है जिनके द्वारा वह वातावरण के ऊपर नियंत्रण स्थापित करता है।

= **डुनेविले के अनुसार :-** शिक्षा के व्यापक अर्थ में वे सभी प्रभाव व अनुभव आ जाते हैं, जो बालक को जन्म से मृत्यु तक प्रभावित करते हैं।

= **पेस्टोलोजी :-** शिक्षा व्यक्ति की जन्मजात शक्तियों का स्वाभाविक, विरोधहीन तथा प्रगतिशील विकास है।

शिक्षा की विशेषताएं :-

- जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है।
- शिक्षा सामाजिक व सर्वांगीण विकास की प्रक्रिया है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- शिक्षा औपचारिक व अनौपचारिक दोनों रूप में हो सकती है।
- शिक्षा आदर्शात्मक / मूल्यात्मक है।

शिक्षा के प्रकार :-

1. औपचारिक - स्कूल,
2. अनौपचारिक - परिवार,
3. निरौपचारिक - पत्राचार।

मनोविज्ञान

दोस्तों , मनोविज्ञान एक ऐसा विज्ञान है जो प्राणियों के व्यवहार एवं मानसिक तथा दैहिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। व्यवहार में मानव व्यवहार के साथ-साथ पशु-पक्षियों के व्यवहार को भी सम्मिलित किया जाता हैं।

- "मनोविज्ञान" शब्द का शाब्दिक अर्थ है- मन का विज्ञान अर्थात् मनोविज्ञान अध्ययन की वह शाखा है जो मन का अध्ययन करती है। मनोविज्ञान शब्द अंग्रेजी भाषा के Psychology शब्द से बना है।
- 'साइकॉलोजी' शब्द की उत्पति यूनानी(लैटिन) भाषा के दो शब्द 'साइकी(Psyche) तथा लोगस(Logos) से मिलकर हुई है। 'साइकी' शब्द का अर्थ -आत्मा है जबकि लोगस शब्द का अर्थ -अध्ययन या ज्ञान से है इस प्रकार से हमने समझा की अंग्रेजी शब्द "साइकॉलोजी" का शाब्दिक अर्थ है- आत्मा का अध्ययन या आत्मा का ज्ञान।

दोस्तों, अब हम मनोविज्ञान की कुछ विचारधाराओं को समझते हैं _

I. मनोविज्ञान आत्मा का विज्ञान- यह मनोविज्ञान की प्रथम विचारधारा है जिसका समय आरम्भ से 16वीं सदी तक माना जाता है। इस विचारधारा के समर्थक प्लेटो, अरस्तू,

FREE SAMPLE

देकार्ते, सुकरात आदि को माना जाता है। यूनानी दार्शनिकों ने मनोविज्ञान को आत्मा के विज्ञान के रूप में स्वीकार किया है। साइकॉलोजी शब्द का शाब्दिक अर्थ भी "आत्मा के अध्ययन" की ओर इंगित करता है।

2. मनोविज्ञान मन/मस्तिष्क का विज्ञान – यह मनोविज्ञान की दूसरी विचारधारा है जिसका समय 17 वीं से 18वीं सदी तक माना जाता है। इस विचारधारा के समर्थक जॉन लॉक, पेम्पोलॉजी, थॉमस रीड आदि थे। आत्मा के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान की परिभाषा के अस्वीकृत हो जाने पर मध्ययुग (17वी शताब्दी) के दार्शनिकों ने मनोविज्ञान को मन के विज्ञान के रूप में परिभाषित किया। इनमें मध्ययुग के दार्शनिक पेम्पोलॉजी का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

3. मनोविज्ञान चेतना का विज्ञान – यह मनोविज्ञान की तीसरी विचारधारा है जिसका समय 19वीं शताब्दी माना जाता है। इस विचारधारा के समर्थक विलियम वुट, ई.बी.टिचनर, विलियम जेम्स, आदि को माना जाता है। मनोवैज्ञानिकों के द्वारा मन या मस्तिष्क के विज्ञान की जगह मनोविज्ञान को चेतना के विज्ञान के रूप में व्यक्त किया गया। टिचनर, विलियम जेम्स.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	

FREE SAMPLE

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें -8233195718, 9694804063, 8504091672

- **मनोविज्ञान संबधित महत्वपूर्ण तथ्य-**

साइकॉलोजी शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग :- रुडोल्फ गोयकल

मनोविज्ञान का जनक :- अरस्तु

आधुनिक मनोविज्ञान का जनक :- विलियम जेम्स

प्रयोगात्मक मनोविज्ञान का जनक:- विलियम बुंट

पशु मनोविज्ञान का जनक :- थार्नडाइक

संरचनावाद संप्रदाय के प्रर्वतक :- विलियम वुट, टिचनर

मनोविश्लेषणवाद के जनक :- सिग्मण्ड फ्रायड

FREE SAMPLE

गैस्टाल्टवाद संप्रदाय के जनक :- वर्दीमर, कोहलर, कोफ्का व्यवहारवाद के जनक :- वॉटसन

प्रयास एवं त्रुटि सिद्धान्त के प्रतिपादक :- थॉर्नडाइक

अनुबन्धन सिद्धान्त के जनक :- पावलॉव

क्रिया प्रसुत सिद्धान्त के जनक :- स्किनर

पुनर्बलन सिद्धान्त के जनक:- सी.एल.हल

मानवतावादी दृष्टिकोण के प्रतिपादक :- मास्लो

प्रेरक संप्रदाय के प्रतिपादक :-विलियम मैक्डूगल

प्रकार्यवाद संप्रदाय के प्रतिपादक :- विलियम जेम्स, जॉनडीवी

क्षेत्रवाद सिद्धान्त के जनक :- कुर्त लेविन

अन्तर्दर्शन विधि के प्रवर्तक विलियम वुण्ट एवं टिचनर

बहिर्दर्शन विधि के प्रवर्तक :- जे.बी.वाटसन

प्रश्नोतर व प्रश्नावली विधि के प्रवर्तक :-सुकरात व वुडवर्थ

समाजमिति विधि के प्रवर्तक :- जे.एल. मोरेनो

व्यक्ति इतिहास(जीवन वृत) विधि के प्रवर्तक :- टाइडमैन

प्रयोगात्मक विधि के प्रवर्तक :- विलियम बुंट

बीजकोषों की निरंतरता का नियम :- वीजमैन

अर्जित गुणों के स्थानान्तरण का नियम :- लैमार्क

मैंडल का आनुवंशिकता का नियम :- जॉन ग्रेगर मैंडल

मनोलैंगिक विकास का सिद्धान्त :- सिग्मण्ड फ्रायड

संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त :- जीन पियाजे

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

मनो-सामाजिक विकास सिद्धान्त :- इरिक्सन

भाषा विकास सिद्धान्त :- चोमस्की

नैतिक विकास सिद्धान्त :- कोहलबर्ग

विलियम जेम्स ने "प्रिंसिपल ऑफ साइकोलॉजी" पुस्तक लिखी थी।

कलकता विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान का प्रथम विभाग 1916 ई में खोला गया।

भारतीय मनोवैज्ञानिक एसोसिएशन की स्थापना 1924में हुई।

1948ई. को नेशनल अकेडमी ऑफ साइकोलॉजी इंडिया की स्थापना हुई।

विलियम वुण्ट ने 1862 में बीट्रेज (Bitrate) नामक प्रारम्भिक पुस्तक में ही मनोविज्ञान को एक स्वतंत्र प्रयोगात्मक विज्ञान होने की घोषणा कर दी थी।

बोरिंग ने विलियम वुण्ट के लिए कहा है कि "वुण्ट से पहले मनोविज्ञान तो बहुत था परन्तु कोई मनोविज्ञानी नहीं था।"

एबिंगहास, "मनोविज्ञान का अतीत तो बहुत लम्बा है परन्तु इसका इतिहास बहुत कम दिनों का है।" मनोविज्ञान वर्तमान में शैशवावस्था में है।

शताब्दियों पूर्व मनोविज्ञान को दर्शनशास्त्र की एक शाखा के रूप में माना जाता था।

वाटसन को व्यवहारवादी मनोविज्ञान का जनक कहते है।

विलियम वुण्ट ने जर्मनी के लिपजिंग स्थान पर 1879 में प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला स्थापित की। इसलिए विलियम वुण्ट को प्रयोगात्मक मनोविज्ञान .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि

आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

बाल विकास

वृधि एवं विकास की संकल्पना –

- विकास के विभिन्न आयाम एवं सिद्धांत
- विकास को प्रभावित करने वाले कारक
- अधिगम से उनका सम्बन्ध

बाल विकास –

अर्थ :- गर्भाकाल से लेकर परिपक्व अवस्था तक का अध्ययन बाल विकास कहलाता हैं।

परिभाषा :-

क्रो एण्ड क्रो के अनुसार – बाल मनोविज्ञान वह वैज्ञानिक अध्ययन है जिसमें गर्भाकाल से लेकर किशोरावस्था के मध्य तक का अध्ययन किया जाता है।

जेम्स ड्रेवर के अनुसार – बाल मनोविज्ञान मनोविज्ञान की वह शाखा है जिसमें जन्म से लेकर परिपक्व अवस्था तक विकासशील मानव का अध्ययन किया जाता है।

बाल विकास का इतिहास :-

रूसो ने पुस्तक – EMILE में बच्चों की शिक्षा का अध्ययन किया हैं।

काल्पनिक शिष्य का नाम भी EMILE है

बाल विकास का वैज्ञानिक अध्ययन करने वाला व्यक्ति - पेस्टोलोजी, 1774

बाल अध्ययन आंदोलन की शुरुआत - अमेरिका में 1893, स्टेनले हॉल।

FREE SAMPLE

(स्टेनले हॉल ने बाल अध्ययन समिति और बालक कल्याण संगठन की स्थापना की तथा पेड़ोलोजिकल सेमीनरी नामक पत्रिका में बाल विकास का अध्ययन किया है।)

प्रथम बाल सुधार गृह की स्थापना - अमेरिका (न्यूयार्क) में 1847

प्रथम बाल निदेशन केंद्र - विलियम हीली - शिकागो 1909

भारत में बाल अध्ययन की शुरुआत - 1930

अभिवृद्धि (Growth) – सामान्य रूप से व्यवहारिक शब्दावलियो में जिस के लिए वृद्धि का प्रयोग किया जाता हैं । वह प्रक्रिया मनोवैज्ञानिक परिक्षेपो में अभिवृद्धि की प्रक्रिया कहलाती है ।

- अभिवृद्धि की प्रक्रिया के अन्तर्गत किसी भी बालक का शारीरिक पक्ष सम्मिलत होता है अर्थात् किसी बालक के शरीर की ऊँचाई, आकार तथा भार आदि प्रक्रमों परिवर्तन देखा जाता हैं, अभिवृद्धि कहलाती है।
  फेंक महोदय के अनुसार "अभिवृद्धि cellular Multiplication अर्थात कोशकीय वृद्धि कहा है।
- अभिवृद्धि की प्रक्रिया में शारीरिक पक्ष में लम्बाई, चौड़ाई भार इत्यादि सम्मिलित होते हैं।
- विकास - बालक विकास की प्रक्रिया में विकास के अन्तर्गत किसी बालक का सम्पूर्ण विकास सम्मिलित होता है।
- इस विकास की प्रक्रिया के अन्तर्गत शारीरिक, मानसिक संवेगात्मक सामाजिक आदि सभी विकास सम्मिलित होते हैं।
- इसके अतिरिक्त अप्रत्यक्ष रूप से विकास की प्रक्रिया में नैतिक, चारित्रिक तथा भावात्मक विकास इत्यादि में सम्मिलित होते हैं।
- अभिवृद्धि की प्रक्रिया में सम्मिलित शारीरिक विकास तथा विकास की प्रक्रिया में सम्मिलित शारीरिक विकास में अन्तर पाया जाता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- अभिवृद्धि का शारीरिक विकास केवल वृद्धि (बढना) तथा क्षय (घटना) को प्रदर्शित करता है। जबकि विकास का शारीरिक विकास वृद्धि तथा क्षय को प्रदर्शित करता है।

अभिवृद्धि तथा विकास में अन्तर

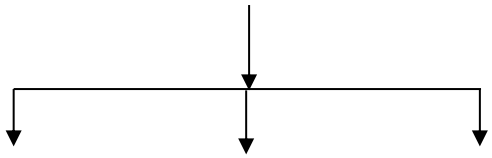
Growth	Development
• अभिवृद्धि किसी बालक के केवल शारीरिक पक्षों से सम्बंधित हैं ।	• विकास की प्रक्रिया से शारीरिक, मानसिक, सामाजिक सभी विकास होता हैं ।
• अभिवृद्धि की प्रक्रिया एक निश्चित समय अर्थात जन्म से लेकर एक निश्चित समय तक चलती हैं	• विकास की प्रक्रिया जन्म से लेकर जीवन पर्यंत चलने वाली प्रक्रिया हैं ।
• अभिवृद्धि की प्रक्रिया एकाकी होती हैं ।	• विकास की प्रकिया का दृष्टिकोण सर्वांगीण होता हैं ।
• अभिवद्धि परिमाणात्मक रूप को परिवर्तित करती हैं ।	• विकास की प्रक्रिया बालक के गुणात्मक रूप को व्यक्त करती हैं ।
• अभिवृद्धि की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता हैं ।	• विकास की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा नही जा सकता हैं ।
• अभिवृद्धि की प्रक्रिया को मापा – तौला जा सकता हैं ।	• विकास की प्रक्रिया को मापा तौला नही जा सकता हैं ।
• अभिवृद्धि का घटक जन्म जात होता हैं ।	• विकास का घटक अर्जित होता हैं ।
• अभिवृद्धि की प्रक्रिया विकास के अंतर्गत सम्मिलित होती हैं ।	• विकास की प्रक्रिया अभिवृद्धि के अंतर्गत सम्मिलित नही होती हैं ।

FREE SAMPLE

बाल विकास के विभिन्न आयाम -

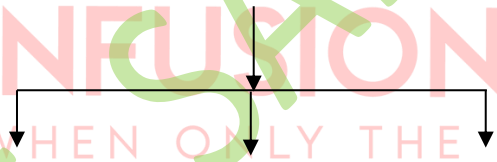
शैशवावस्था (जन्म – 6 वर्ष)

Infancy → In fant + Infarty



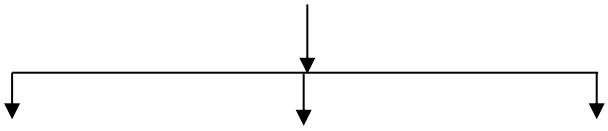
पूर्व शैशवावस्था (जन्म- 2 वर्ष) | मध्य शैशवावस्था (2-4वर्ष) | उत्तर शैशवावस्था (4-6 वर्ष)

बाल्यावस्था (6-12वर्ष)



पूर्व बाल्यावस्था (16-8 वर्ष) | मध्य बाल्यावस्था (8-10 वर्ष) | उत्तर बाल्यावस्था (10-12 वर्ष)

किशोरावस्था (12-18 वर्ष)



पूर्व किशोरावस्था (12-14 वर्ष) | मध्यकिशोरावस्था (14-16 वर्ष) | उत्तरकिशोरावस्था (16-18 वर्ष)

FREE SAMPLE

महत्वपूर्ण कथन :-

न्यूमैन के अनुसार :-

5 वर्ष की अवस्था बालक के शरीर व मस्तिष्क के लिए बड़ी ग्रहणशील होती है।

फ्रायड के अनुसार :-

बालक को जो कुछ भी बनाना होता है, वह प्रथम 4 या 5 वर्षों में बन जाता है।

रूसो के अनुसार :-

बालक के हाथ, पैर, नेत्र प्रारंभिक शिक्षक होते हैं।

थॉर्नडाईक के अनुसार :-

3 से 6 वर्ष के बच्चे अर्द्धस्वप्न अवस्था में होते हैं।

क्रो एण्ड क्रो के अनुसार :-

20 वीं शताब्दी को बालकों की शताब्दी कहा है।

गुडएनफ के अनुसार :-

बालक का जितना भी मानसिक विकास होता है, उसका आधा प्रथम तीन वर्षों में हो जाता है।

शारीरिक विकास शैशवावस्था में –

1. शैशवावस्था अंग्रेजी भाषा के in fancy शब्द का हिन्दी रूपान्तरण है। यह शब्द लैटिन भाषा के Infast से बना है। जो In + Fast से तात्पर्य है नहीं बोलने की अवस्था कहा जाता है। इस समय में बालक ज्यादातर रोने का कार्य करता है। जो निरर्थक माना जाता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

2. शैश्वावस्था मानव विकास की आधारशिला एवं नीव तैयार होती है। इस काल को जीवन का आधार काल अथवा जीवन का आदर्श काल कहा जाता है।
3. शैश्वावस्था के काल में बालक/बालिका में संचय की प्रवृत्ति पायी जाती है। जिस कारण इसे जीवन
   का संचयी काल कहा जाता हैं।
4. इसका समय जन्म - 6 वर्ष तक होता हैं । जिसमें किसी भी बालक का शारीरिक विकास अन्य विकास की अपेक्षा तीव्र होता हैं ।

भार (Weight)

शैश्वावस्था में जन्म से लेकर अंतिम अवस्था अर्थात 6 वर्ष की आयु तक बालको का भार बालिकाओ की अपेक्षा अधिक हो जाता हैं ।

लम्बाई - जन्म के समय किसी बालक की लम्बाई $20\frac{1}{2}$ इंच तथा बालिकाओ की लम्बाई 20 इंच के आसपास होती है। किन्तु दोनों की लम्बाई में बहुत अधिक, अन्तर नहीं पाया जाता है।

- लेकिन शैशवास्था के अन्तर्गत अन्तिम समय में बालक की लम्बाई बालिका की अपेक्षा कुछ अधिक हो जाती है।

सिर एवं मस्तिष्क - शैशवावस्था के काल में जन्म के समय बच्चे के सिर का विकास कुछ शरीर के विकास के $\frac{1}{4}$ हो जाता हैं । जिस कारण बालक का सिर उसके शरीर की अपेक्षा अधिक बड़ा दिखाई पड़ता है। और बालक मासूम लगता है।

- जन्म के समय शिशु के सिर का कुछ भार लगभग 350gm के आसपास है।

FREE SAMPLE

दांत (Teeth)-

- बाल विकास की प्रक्रिया में किसी भी बालक का जन्म के पूर्व दांत बनने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है। लेकिन दांत निकलने की प्रक्रिया जन्म के पश्चात् (8/9 माह में) प्रारम्भ होती है।

  किसी भी बालक या बालिका में जन्म के समय कोई भी दांत नही होता है। लेकिन जन्म से (6-7) माह में सबसे पहले .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

3. किशोरावस्था में मानसिक विकास :-

वुडवर्थ के अनुसार :- किशोरवस्था में मानसिक विकास उच्चतम सीमा तक पहुंच जाता है।

- बुद्धि का अधिकतम विकास - 15 से 16 वर्ष।
- मानसिक स्वतंत्रका का विकास।
- तर्क, चिंतक, कल्पना, स्मृति, ध्यान का अधिकतम विकास होता है।

मानसिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक :-

1. वंशानुक्रम।
2. वातावरण।
3. परिवार के सामाजिक व आर्थिक स्थिति।
4. माता - पिता की शिक्षा।
5. शारीरिक स्वास्थ्य। अरस्तु :- स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।
6. शिक्षक व विद्यालय का वातावरण।

नोट :- कोई भी दो बालक समान मानसिक योग्यता के नहीं हो सकते - हरलॉक।

- मानसिक विकास के लिए सबसे उपयुक्त विधि - करके सीखना

4. सामाजिक विकास :-

अर्थ :-

= **सारे व टेलफोर्ड के अनुसार :-** बालक में सामाजीकरण की शुरूआत दूसरे व्यक्तियों के साथ प्रथम संपर्क से शुरू होती है, और आजीवन चलती रहती है।

FREE SAMPLE

= ***हरलॉक के अनुसार :-*** *सामाजिक विकास का अर्थ सामाजिक संबंधों में परिपक्व का पर्याप्त करना है।*

= ***क्रो एण्ड क्रो के अनुसार :-*** *जन्म के समय बालक न तो सामाजिक होता है व न ही असामाजिक, कुछ समय बाद में वह सामाजिक बन जाता है।*

सामाजीकरण क्या हैं - *एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें मनुष्य समूह के* ***आदर्शों*** *के अनुसार कार्य करता है व उसके नियमों के अनुसार बनता है।*

शैशव अवस्था में सामाजिक विकास :-

- *3 महीने का बच्चा - अपनी मां को पहचानना, दूर जाने पर रोना। (पहला सामाजिक व्यवहार)*
- *4 महीने का बच्चा - साथ खेलने पर हंसना।*
- *5 महीने का बच्चा - प्रेम व क्रोध के व्यवहार को समझना।*
- *1 वर्ष का बच्चा - बडों द्वारा मना किये जाने वाले कार्यों को नहीं करना। अनुकरण करना।*
- *2 वर्ष का बालक - सामाजिक अनुमोदन की प्रवृत्ति का विकास।*
- *3 वर्ष का बालक - दूसरे बालकों के साथ संबंध बनाना व खेलना।*
- *4 वर्ष का बालक - सहानुभूति व समानुभूति का भाव पैदा होना।*
- *5 वर्ष का बालक - वस्तुओं का लेन - देन करना तथा भाईयों की रक्षा का भाव उत्पन्न होना। (प्रभुत्वपूर्ण व्यवहार)*

बाल्यावस्था में सामाजिक विकास :-

- *इस अवस्था में बालक में सामाजिक गुणों का विकास हो जाता है, जैसे - सहयोग, उत्तरदायित्व, नेतृत्व, बड़ो का सम्मान करना, बहिर्मुखी व्यक्तित्व का विकास,*

FREE SAMPLE

सामुहिक खेल खेलना, टोली का सदस्य बन जाना। सामाजिक प्रतिस्पर्द्धा का भाव उत्पन्न होना।

- लैंगिक अलगाव - 8 वर्ष।

किशोरवस्था में सामाजिक विकास :-

- जटिल सामाजीकरण की अवस्था।
- समाज सेवा की भावना।
- विषमलिंगी प्रेम।
- समूह के प्रति भक्ति।
- नेतृत्व के गुण का विकास।

सामाजिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक :-

- सामाजीकरण की शुरुआत परिवार से होती है।
- वंशानुक्रम।
- शारीरिक विकास, मानसिक विकास, संवेगात्मक विकास।
- **परिवार** - सर्वाधिक प्रभावित करने वाला कारक।
- शिक्षक व विद्यालय का प्रभाव। (जॉन डीवी के अनुसार - स्कूल एक विशिष्ट वातावरण है, जहां बालक के वांछित विकास के लिए निश्चित जीवन व क्रियाएं तथा व्यवहार प्रदान किये जाते हैं।)
- सिनेमा का प्रभाव।
- खेल का मैदान।
- लिंक का प्रभाव।
- संस्कृति का प्रभाव।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- भाषा का प्रभाव।

मनोसामाजिक विकास सिद्धांत :-

- प्रतिपादक - इरिक इरिक्सन, पुस्तक का .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 4

व्यक्तिगत विभिन्नताएं – अर्थ प्रकार एवं व्यक्तिगत विभिन्नताओं को प्रभावित करने वाले कारक

व्यक्तिगत विभिन्नता का अर्थ-

शिक्षा के अति प्राचीनकाल से आयु के अनुसार विधार्थियों में अन्तर किया जाता है कि आयु की विभिन्नता से बालक को भिन्न - भिन्न स्तर की शिक्षा मिलनी चाहिये। क्रमशः आयु बढ़ने के साथ पाठ्यक्रम को अधिक विस्तृत और कठिन बनाया जा सकता है।

प्राचीनकाल में आयु के अतिरिक्त थोड़ा बहुत बुद्धि की विभिन्नता पर भी ध्यान रखा जाता था। साथ ही शैक्षिक सम्प्राप्ति (Educational attainments) को भी महत्वपूर्ण माना जाता था। इस प्रकार प्राचीनकाल में और मध्यकाल में व्यक्तिगत विभिन्नताओं का तात्पर्य "किसी विषय पर अधिकार करने की योग्यता से समझा जाता था।" आधुनिक स्कूलों में व्यक्तियों की अन्य प्रकार की योग्यताओं और व्यक्तिगत विशेषताओं पर भी ध्यान दिया जाता है।

व्यक्तिगत विभिन्नताओं की इस परिभाषा से स्पष्ट है कि उसमें मनुष्य व्यक्तिगत के वे सभी पहलू आते हैं, जिनको किसी न किसी प्रकार से मापा जा सकता है। इस प्रकार के पहलू अनेक हो सकते हैं ; जैसे - परिवर्तनशीलता, सामान्यता, बाल विकास और सीखने की गति में अन्तर, व्यक्तित्व के विभिन्न लक्षणों में परस्पर संबंध, अनुवांशिकता और परिवेश का प्रभाव इत्यादि।

इस प्रकार भिन्न - भिन्न व्यक्तियों में शारीरिक और मानसिक विकास, स्वभाव, सीखने की गति और योग्यता, विशिष्ट योग्यताएँ, रुचि तथा व्यक्तित्व आदि में अन्तर देखा जा सकता है।

FREE SAMPLE

शिक्षण में अनेक प्रकार की समस्याएँ बालकों के व्यक्तिगत भेद उत्पन्न कर देते हैं ; जैसे - अध्यापक किस कक्षा में किस प्रणाली से पढाये कि सभी बालक समान रूप से लाभ उठा सके।

वैयक्तिक दृष्टि से वैयक्तिक भेदों का अध्ययन सबसे पहले गाल्टन ने प्रारंभ किया था तब से इस विषय पर अनेक अनुसन्धान हो चुके हैं, जिनके आधार पर मनोवैज्ञानिकों और शिक्षाशास्त्रियों ने शिक्षा की कई नयी प्रणालियों का विकास किया है। यद्यपि अध्यापक के लिये व्यक्तिगत तरीके से कई प्रकार की समस्याओं को उत्पन्न करते हैं। किन्तु समाज की और व्यक्ति की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है।

एक समय था जब व्यक्ति की आवश्यकताएँ सीमित थी, जिनको वह सरलता से पूरा कर लेता था। आधुनिक युग में हमें विभिन्न प्रकार की विशेष योग्यताओं वाले व्यक्तियों को आवश्यकता है जो समाज के विकास में विभिन्न योग दे सकें।

व्यक्तिगत भेद व्यक्ति विशेष के लिये भी महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि उसका उनके विकास में संतोष तथा आनंद मिलता है और वह अपनी योग्यताओं के अनुकूल विकास कर सकता है। व्यक्तिगत भेदों के अध्ययन से बालकों की व्यक्तिगत योग्यताओं का पता लगाकर उनका उचित विकास कर सकते हैं।

वैयक्तिक भिन्नता के अंतर्गत शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि भिन्नताओं का अध्ययन किया जाता है।

स्किनर (Skinner) के शब्दों में, "बालक के प्रत्येक सम्भावित विकास का एक विशिष्ट काल होता है। यह विशिष्ट काल प्रत्येक व्यक्ति में वैयक्तिक भिन्नता के अनुसार पृथक - पृथक होता है। उचित समय पर इस सम्भावना का विकास न करने से नष्ट हो सकता है।"

FREE SAMPLE

व्यक्तिगत विभिन्नता की परिभाषा -

व्यक्तिगत विभिन्नता की निम्न परिभाषाएँ हैं -

स्किनर (Skinner) के अनुसार व्यक्तिगत विभिन्नता की परिभाषा -

"मापन किया जाने वाला व्यक्तित्व का प्रत्येक पहलू वैयक्तिक भिन्नता का अंश है।"

टायलर (Tayler) के शब्दों में व्यक्तिगत विभिन्नता की परिभाषा

"शरीर के आकार और .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

I. सांस्कृतिक विभिन्नताएं –

प्रत्येक देश की एक विशेष संस्कृति होती है। जो व्यक्ति जिस देश में पला है, वहाँ की संस्कृति का उस पर प्रभाव पड़ता ही है। कुछ देशों में लोग प्रेम विवाह को सर्वोत्तम बंधन मान सकते हैं, जबकि हमारी भारतीय संस्कृति में पले हुए लोग निकृष्टतम बंधन मानते हैं। भारतीय संस्कृति में पले हुए लोग माता - पिता और बच्चों के प्रति अपने कर्तव्य के लिये जितने सजग हैं, उतने अन्य संस्कृति वाले सभी लोग नहीं। यह हमारी संस्कृति का प्रभाव है इस दृष्टि से भी व्यक्तियों की मान्यताओं एवं मूल्यों में अन्तर होता है।

2. प्रजातीय विभिन्नताएँ –

प्रजाति से हमारा तात्पर्य यहाँ वर्णगत - ब्रह्मण, क्षत्रिय, वैश्य या शुद्रों से नहीं, अपितु उन प्रजातियों से हैं जो आदिकाल में थी और उनकी सन्ताने अभी तक चली आ रही है उदाहरणार्थ - आर्यों की सन्तानें, हूण और शकों की सन्तानों आदि से मिश्र हैं। आज भी अफ्रीका के दृष्टि अति काले होते हैं और शीत प्रधान देशों के लोग अति गोरे।
प्रजातिय आधार पर काले- गोरे रंग का भेद नहीं, अपितु उनकी मान्यताओं में .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 5

व्यक्तित्व

व्यक्तित्व शब्द अंग्रेजी भाषा के Persnality का हिन्दी रूपान्तरण है। जिसकी उत्पत्ति लैटिन भाषा के Persona शब्द से हुयी जिसका अर्थ मुखौटा या नकाव, नकली चेहरा है।

सामान्य अर्थों में व्यक्तित्व किसी भी बालक के शरीर की बनावटी वोली अथवा पहनावे के आधार पर हम उस व्यक्ति को अच्छा या बुरा बता देते है। लेकिन वर्तमान समय में वैज्ञानिक परिक्षेत्रों को व्यक्ति के इन संकुचित अर्थ को स्वीकार न करके किसी व्यक्ति के आन्तरिक व वाह्य दोनों प्रकार के गुणों को समलित किया जाता है।

गिलफोर्ड के अनुसार – व्यक्तित्व गुणों का सम्भावित रूप है । "

बुडवर्थ के अनुसार – व्यक्ति के एक समग्र विशेषता ही व्यक्तित्व है।

परिभाषाएं :-

1. **आलपोर्ट के अनुसार :-** व्यक्तित्व उन मनोदैहिक गुणों का वह गत्यात्मक संगठन जो वातावरण के साथ अपूर्व समायोजन निर्धारित करता है।
2. **वैलेटाइन के अनुसार :-** व्यक्तित्व जन्मजात तथा अर्जित परिवर्तितयों का योग है।
3. **बोरिंग के अनुसार :-** व्यक्तित्व वातावरण के साथ सामान्य व स्थायी समायोजन है।
4. **वाटसन के अनुसार :-** हम जो कुछ भी करते है, वही व्यक्तित्व है।
5. **आइजेन्क :-** व्यक्तित्व व्यक्ति के चरित्र, ज्ञान शक्ति व गठन का स्थायी व टिकऊ संगठन है जो वातावरण में उसके अपूर्व समायोजन का निर्धारण करता है।
6. **मैन के अनुसार :-** व्यक्तित्व व्यक्ति के व्यवहार, तरिकों, रुचियों तथा योग्यताओं का विशिष्ट संगठन है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

सन 1937 ई0 में प्रोफेसर G W AalPort ने व्यक्तित्व लगभग 50 परिभाषाओं का अध्ययन करके नि० लि० परिभाषा प्रस्तुत की ।

व्यक्तित्व के व्यक्ति के भीतर उन मनोशारीरिक गुणों का गत्यात्मक संगठन है, जो वातावरण के साथ उसका अद्वितीय समायोजन निर्धारित करता है

1- आलपोर्ट महोदय की व्यक्तित्व की इस मनो तथा शारीरिक अर्थात् आन्तरिक तथा वाहय गुणो को समिल्लित किया है।

2. किसी भी बालक के व्यक्तित्व के गुणों को गत्यात्मक (परिवर्तन) संगठनात्मक प्रवृति के होते है

3. किसी भी बालक के व्यक्तित्व का प्रदर्शन उसके वातावरणीय प्रक्रियाओं के समायोजन से होता है

व्यक्तित्व के प्रकार मनोविज्ञान की प्रक्रिया में अलग-2 मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व के अलग- 2 प्रकार स्वीकार किये ।

क्रेचमर / क्रेश्मर - क्रेचमर ने अपनी पुस्तक Phyique and character में व्यक्तित्व के शारीरिक संरचनाओ के आधार पर नि.लि प्रकार स्वीकार किए

1.गोल काय / स्थूल काय [Pichic]

2.क्षीण काय [Asthanic]

3. सुडौल काय [Athaletics]

4. मिश्रित काय [Din Plastic]

कैनन के अनुसार - कैनन ने अन्त स्रावी ग्रंथियों को निम्न लिखित 3 प्रकार बताये

1 . थाइरॉइड ग्रन्थि वाले व्यक्तित्व- इस व्यक्तित्व वाले बालको में थाइरोक्सिन नामक स्राव होता है। जो किसी बालक के शारीरिक तथा मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं इसके अभाव मे बालक मंदबुद्धि बौना दुर्बल हो जाता है।

2- पिट्यूटरी ग्रन्थि वाले बालक - इसे मास्टर ग्रन्थि भी कहते तथा किसी के व्यक्तित्व का आनुपातिक स्त्राव आवश्यक है। क्योंकि इसके अधिक स्राव से व्यक्ति अधिक लम्बा हो जाता है ।

3. एड्रीनल ग्रन्थि वाले बालक- इस ग्रंथि का बालक के .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)

राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक :-

1. वंशानुक्रम :- सबसे पहले प्रभावित करने वाला कारक।

   फ्रांसीस गाल्टन ने व्यक्तित्व निर्माण में वंशानुक्रम को सबसे महत्वपूर्ण माना है।

2. वातावरण :-

   1.भौतिक वातावरण :- जलवायु का प्रभाव

   2. सामाजिक वातावरण - परिवार, पड़ोसी, साहित्य, विद्यालय।

3. सांस्कृतिक वातावरण :- रीति रिवाज़, परम्परा, वेशभूषा, रहन - सहन।

(3) अंतः स्रावी ग्रंथियां :- जैसे - पियूष ग्रंथि के कम सक्रिय होने पर व्यक्ति बौना हो जाता है । तथा ज्यादा होने पर .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – 7

विविध अधिगम कर्ताओं की समझ – पिछड़े , प्रतिभाशाली , सवेंदाशील इत्यादि बच्चे

बाल अपराध

- 18 वर्ष तक की आयु के वें बालक जो किसी सामाजि, नैतिक या कानूनी नियमों का उल्लंघन करते हैं उन्हें बाल अपराध की श्रेणी में रखा जाता है ।
- बाल अपराध के प्रकार - 1. यौन अपराध 2. चुनौती देने वाली प्रवृत्ति ।

1. चुनौती देने वाली प्रवृत्ति - लड़ाई झगड़ा करना, चोरी करना, स्कूल की संपत्ति नष्ट करना, दीवारों पर अवांछनीय चित्र बनाना, धूम्रपान करना, पीड़ा पहुंचाना,पलायन वादी, शेखी बघारना, मापक पदार्थों का सेवन करना, निर्देशित भ्रमण करना, जेब तराश करना, बिना टिकट यात्रा करना, अपराधिक प्रवृत्ति का होना ।

विशिष्ट बालक

- वें बालक जो सामान्य बालक की अपेक्षा कुछ अलग प्रकार का व्यवहार करते हैं विशिष्ट बालक की श्रेणी में आते हैं ।
- इन बालकों की योग्यता और क्षमताओं का विकास करने के लिए विद्यालय गतिविधियों में परिवर्तन करने की आवश्यकता होती है ।

विशिष्ट बालकों का निम्न प्रकार से वर्गीकरण किया जा सकता है -

1. प्रतिभाशाली बालक -

इन बालकों की बौद्धिक क्षमताएँ तथा योग्यताएँ सामान्य बालक की अपेक्षा अत्यधिक तीव्र होती हैं।

प्रतिभाशाली बालक के लक्षणः-

1. बुद्धि लब्धि 140 से अधिक होती हैं।

2. एक समय में एक से अधिक विषयों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

3. इनकी रुचियां तथा जिज्ञासा व्यापक होती हैं।

4. यह अपने स्तर के पाठ्यक्रम को बिना किसी सहायता के पूरा कर लेते हैं।

5. नवीन खोज करते हैं।

6. अपने से उच्च स्तर की समस्याओं का स्वयं समाधान कर लेते हैं।

- अध्यापक तथा विद्यालय द्वारा इन बालकों के लिए किए जाने वाले उपाय -

1. अध्यापक इस प्रकार के बालकों के लिए इनके स्तरानुसार अतिरिक्त कार्य का चुनाव करके इन्हें उपलब्ध कराएँ जिसका समाधान यह अपने स्तर पर कर सकें।

2. प्रत्येक विद्यालय में प्रक्रिया खोज परीक्षा का आयोजन किया जाना चाहिए। प्रतिभाशाली बालकों का चयन करके उन्हें अकादमिक नेतृत्व प्रदान करना चाहिए।

3. विद्यालय समय सारणी में इस प्रकार के बालकों के लिए अतिरिक्त कालांश की व्यवस्था करनी चाहिए जिस समय पर इन्हें मार्गदर्शन देकर इनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

4. विद्यालय में व्यक्तित्व नेतृत्व व परामर्श व्यवस्था होनी चाहिए।

5. इस प्रकार के बालकों को कक्षा में क्रमोन्नती प्रदान कर देनी चाहिए।

- प्रतिभाशाली बालकों को पढ़ाने की सर्वश्रेष्ठ विधि अनुसंधान विधि है।

- प्रतिभाशाली बालकों को चिंतन स्तर का शिक्षण कार्य करवाना चाहिए।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

2. पिछड़े बालक

वें बालक जो अपनी आयु स्तर से एक स्तर नीचे के कार्य को अच्छी तरह से संपन्न नहीं कर पाते हैं पिछड़े बालकों का निम्न प्रकार से वर्गीकरण किया जा .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)

राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – II

- **अधिगम का अर्थ एवं संकल्पना , अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक**
- **अधिगम के सिद्धांत एवं इनके निहितार्थ**
- **बच्चे सीखते कैसे हैं , अधिगम की प्रक्रियाएं चिंतन , कल्पना एवं तर्क**

अधिगम की प्रक्रिया विभिन्न परिक्षेत्रों में केवल सीखने के रूप में प्रयोग में लायी जाती है । जो व्यवहारिक एवं मनोवैज्ञानिक परिक्षेत्रों में सीखने, सिखाने दोनों रूपो को स्पष्ट करती है।

अधिगम की प्रक्रिण के पश्चात बालक को यह ज्ञान हो जाता है। क्या सत्य है अथवा क्या असत्य है, सही क्या गलत है।

कोई बालक एवं बालिका अधिगम की प्रक्रिया के पूर्व ही विभिन्न क्रियाओं का ज्ञान तो प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन अधिगम के पश्चात उनके व्यवहार में वांछित परिवर्तन आ जाते हैं ।

अधिगम अंग्रेजी का Learning का हिन्दी रुपान्तरण है जिसका अर्थ है आगे की ओर बढ़ना ।'

अधिगम की प्रक्रिया को नि०लि० रूपों में स्पष्ट किया जाता है ।

K	B	B
knowledge	Behaviour	Believe
ज्ञान	व्यवहार	विश्वास या मूल्य

FREE SAMPLE

Change in Learning ⟶

1. ज्ञान में परिवर्तन ही अधिगम है ।
2. व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है ।
3. विश्वास था मूल्यों में परिवर्तन ही अधिगम है।

अधिगम की प्रक्रिया में किसी बालक में परिपक्वता होती है। साथ ही अधिगम की प्रक्रिया के व्यवहार से प्रदर्शित होती है।

अर्थ :- व्यवहार में वांछित परिवर्तन ही अधिगम है।

परिभाषाएं :-

= गेट्स व अन्य के अनुसार :- प्रशिक्षण व अनुभव द्वारा व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है।

= मॉर्गन - किंग के अनुसार :- अभ्यास / अनुभूति के फलस्वरूप व्यवहार में होने वाले अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन अधिगम कहलाता है।

= क्रो एण्ड क्रो के अनुसार :- आदतों, ज्ञान तथा अभिवृत्तियों को अर्जन करना ही अधिगम है।

= वुडवर्थ के अनुसार :- सीखना विकास की प्रक्रिया है।

= स्कीनर के अनुसार :- व्यवहार के अर्जन में उन्नति की प्रक्रिया ही अधिगम है।

= स्कीनर के अनुसार :- व्यवहार में उत्तरोत्तर सामंजस्य की प्रक्रिया ही अधिगम है।

= गिलफोर्ड के अनुसार :- व्यवहार के कारण व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अधिगम की विशेषताएँ

1. अधिगम ही विकास है।
2. अधिगम ही समायोजन है।
3. अधिगम अनुभवों का संगठन है।
4. अधिगम स्व उद्देश्य है।
5. अधिगम सृजन शील है।
6. अधिगम क्रियाशील है।
7. अधिगम व्यक्तिगत तथा सामूहिक दोनों होते हैं।
8. अधिगम में उद्दीपक तथा अनुक्रिया का सम्बंध होता है।

नोट - अधिगम की प्रक्रिया के अन्तर्गत नि० लि० प्रमुख 4 तत्व होते है।

उद्दीपक (Stumulus) अनुक्रिया (Responce)

अभिप्रेरणा(Motivation) पुनर्बलन Reinforcement

अभिप्रेरणा - अधिगम की प्रक्रिया में अभिप्रेरणा का सम्बंध एक ऐसी प्रक्रिया से है। जो किसी भी बालक के व्यावहार निर्धारण एवं संचालन से संबंधित होती है विभिन्न मनोवैज्ञानिक परिक्षेत्रों में अभिप्रेरणा वह आन्तरिक शक्ति है। जो उसे किसी भी प्रकार के कार्य को करने के लिए प्रेरित करती है।

किसी भी बालक के व्यवहार बाद यह प्रदर्शित होता है अधिगम की प्रक्रिया में बालक अभिप्रेरित है अथवा नहीं ।

Need → Drive → Motive Goal

आवश्यकता चालक/अर्न्तनोद उत्प्रेरक लक्ष्य

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक :-

1. **व्यक्तिगत कारक** :-

*अभिप्रेरणा :- अधिगम को सर्वाधिक प्रभावित करने वाला कारक।

अधिगम की शुरुआत अभिप्रेरणा से होती है।

*इच्छा शक्ति - प्रतिकूल परिस्थितियों के होते हुये भी सीख जाना।

*बालक का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य। अरस्तु - स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।

*ध्यान रुचि, स्मृति, तत्परता

*आयु तथा परिपक्वता

*समय व थकान - समय सुबह का।

2. शिक्षक सम्बन्धी कारक :-

*सीखने की विधि का प्रभाव।

*शिक्षण सूत्र

3. कार्य कारक:-

*कठिन कार्य /कार्य की समानता /कार्य का अर्थपूण होना /कार्य की लम्बाई /कार्य की रोचकता

*विषय -वस्तु का स्वरूप -उपयोगी और रुचिपूर्ण होने पर जल्दी सीखता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

५. विधि सम्बन्धी कारक :-

*अभ्यास /करके सीखना /सूझ द्वारा सीखना /समय सारणी /पूर्ण या आंशिक निर्देशन।

अधिगत की प्रक्रिया के सोपान :-

अभिप्रेरण / प्रेरक = लक्ष्य / उद्धेश्य = बाधा = विभिन्न अनुक्रियाएं, = पुनर्बलन = व्यवहार में

परिवर्तन।

अधिगम व परिपक्वता में अन्तर :-

1. अधिगम अर्जित है, परिपक्वता जन्मजात है
2. अधिगम जीवनपर्यन्त चलता है, जबकि परिपक्वता किशोरावस्था तक चलती है।
3. अधिगम के लिए अभिप्रेरणा आवश्यक है, जबकि परिपक्वता के लिए नहीं।

अधिगम की विधियां :-

- **करके सीखना :-** सबसे उपयुक्त विधि है।
- निरीक्षण करके सीखना।
- परीक्षण करके सीखना।
- सामुहिक विधि द्वारा सीखना। जैसे :- सेमीनार, वाद - विवाद, कार्यशाला, योजना विधि (प्रोजेक्ट)।
- **मिश्रित विधि द्वारा सीखना -** पूर्ण विधि व आंशिक विधि का मिला - जुला रूप मिश्रित विधि है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अधिगम के सिद्धांत

- पावलाव का अनुकूलित अनुक्रिया सिद्धांत अथवा अनुकूलित प्रत्यावर्तन का सिद्धांत, शास्त्रीय अनुबंधन का सिद्धांत Classical opriante Theory, Conditioning Theory
- थॉर्नडाइक का उद्दीपक अनुक्रिया सिद्धांत, प्रयास व श्रुति का सिद्धांत, संयोजन वाद का सिद्धांत, सम्बंधवाद का सिद्धान्त
- स्किनर का सक्रीय अनुकूलन सिद्धांत, क्रिया प्रसुत, अनुबंधन सिद्धांत
- कॉलर का अंर्तदीप्ती एवं सूझ का सिद्धांत
- गेने का सोपानिकी क्रम सिद्धान्त
- हल का सरलीकरण एवं प्रचलन का सिद्धांत
- टॉलमैन का चिहन अधिगम or भुल भुलेया का सिद्धांत
- वाटसन का व्यवहार अधिगम सिद्धांत
- गुथरी का समीपता का सिद्धांत
- वुडवर्थ का उत्तेजना प्राणी सिद्धांत
- बडूरा सामाजिक अधिगम सिद्धांत

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

थार्नडाइक का उद्दीपक अनुक्रिया सिद्धांत (1913)

- अधिगम की प्रक्रिया में उद्दीपक अनुक्रिया सिद्धांत प्रयास एवं त्रुटि के सिद्धांत का प्रतिपादन थार्नडाइक ने किया।
- थार्नडाइक ने उद्दीपक अनुक्रिया सम्बंध कहा जिस आधार पर इसे सम्बन्धवाद या SR Bond Theory कहते हैं ।

  इस सिद्धान्त में बिल्ली पर शोधकार्य करते हुए भूखी बिल्ली को पिजरे में बंद कर दिया और .....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021	89 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	I[st] शिफ्ट		

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 12

अभिप्रेरणा व इसके अधिगम के लिए निहितार्थ

अर्थ – अभिप्रेरणा अंग्रेजी भाषा के Motivation का हिंदी रूपांतरण है इसकी उत्पत्ति लेटिन भाषा के शब्द मोटम / 'मोवयर' से हुई है जिसका अर्थ है - गति प्रदान करना / अर्थात अभिप्रेरणा वह कारक है जो किसी कार्य को करने के बल,उत्साह व शक्ति को बढ़ाने का काम करते हैं।

अभिप्रेरणा की परिभाषाएं -

- मैक्डूगल के अनुसार - " अभिप्रेरणा वह शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक दशाएं हैं जो किसी कार्य को करने के लिए प्रेरित करती हैं।"
- वुडवर्थ के अनुसार - " अभिप्रेरणा व्यक्ति की वह अवस्था या तत्परता है जो किसी व्यवहार एवं उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए निर्देशित की जाती है।"
- जॉनसन के अनुसार - "अभिप्रेरणा वह सामान्य क्रियाकलाप है जो मनुष्य के व्यवहार को उचित मार्ग की ओर ले जाती है।"
- डॉ. विनोद उपाध्याय एवं रश्मि उपाध्याय के अनुसार - अभिप्रेरणा व्यक्ति को गतिशील एवं लक्ष्य प्राप्त करने में सहायक बनाती है।
- अभिप्रेरणा के घटक (संप्रत्यय) - अभिप्रेरणा के तीन घटक है -

  1. आवश्यकता (Need)
  2. प्रणोद (चालक) (Drive)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अभिप्रेरणा के दो प्रकार -

1.आंतरिक अभिप्रेरणा - व्यक्ति द्वारा स्वयं अपनी इच्छा से कार्य करना आंतरिक अभिप्रेरणा है, जैसे - मां द्वारा बच्चे को दूध पिलाना ।

2. बाहरी अभिप्रेरणा - व्यक्ति द्वारा किसी बाहरी दबाव से कार्य करना बाह्य अभिप्रेरणा है । जैसे - बच्चे के रोने पर मां द्वारा दूध पिलाना .....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है । इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा । यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद ।*

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 13

शिक्षण अधिगम

शिक्षण क्या है :-

शिक्षण की वह प्रक्रिया है जो शिक्षक व छात्र के मध्य है जिसका उद्देश्य बालक व्यवहार में परिवर्तन करना होता है।

शिक्षा व शिक्षण में अन्तर :-

शिक्षा	शिक्षण
1.जीवन पर्यन्त	निश्चित समय सीमा
2.औपचारिक व अनौपचारिक	औपचारिक
3.नियोजित व अनियोजित	नियोजित
4.सर्वांगीण विकास की प्रक्रिया का विकास।	केवल ज्ञानात्मक व क्रियात्मक पक्ष

शिक्षण व अनुदेशन में अन्तर :-

शिक्षण	अनुदेशन
अन्तः क्रिया आवश्यक	अन्तः क्रिया नहीं
शिक्षण में अनुदेशन निहित है	अनुदेशन में शिक्षण नहीं होता है।
शिक्षण में शिक्षक का होना	अनुदेशन में मशीन द्वारा भी दिया जा सकता है शिक्षक का होना आवश्यक नहीं

FREE SAMPLE

शिक्षण के चर :-

1. स्वतंत्र चर - शिक्षक

2. आश्रित चर- विद्यार्थी

3. हस्तेक्षप चर - शिक्षण विधि, पाठ्यक्रम, सहायक सामग्री।

शिक्षण के चरण :-

1. पूर्व क्रिया अवस्था - कक्षा कक्ष में जाने से पहले की जाने वाली तैयारी।

2. अन्त : क्रिया चरण - कक्षा कक्ष में जाने के.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

शिक्षण अधिगम की विभिन्न विधियाँ .....

13 मांटेन्सरी विधि :-

=इस विधि विधि के जन्मादात्री डॉ. मारिया मोंटेसरी है। यह एक प्रकृतिवादी शिक्षाशास्त्री व चिकित्सक थी।

=> रोय विश्वविद्यालय में मंदबुद्धि बालकों के चिकित्सा का कार्य करते हुए उनका ध्यान उक्त बालकों की शिक्षा की ओर " मोंटेन्सरी पद्धति " का विकास किया जो बाद में सामान्य बुद्धि वाले बालकों की शिक्षा के लिए उपयोग में लाई गई।

=> इन्होंने 3 - 6 वर्ष के बालकों के लिए स्वयं का स्कुल खोला जिसे children हाउस (शिशु गृह का नाम दिया गया)

=> इस पद्धति में बालक की सीखने के लिए स्वतंत्रता दी जाती है तथा सर्वांगीण विकास पर बल दिया जाता है।

=> वर्तमान में नर्सरी शिक्षा इसी पर आधारित है।

=> यह विधि बाल केंद्रित है

14. डाल्टन विधि (Dalton Method) :-

=> डाल्टन विधि के जनक - हेलन पार्क हर्स्ट है।

=> इसे ठेकेदारी प्रथा भी कहते हैं। यह विधि डाल्टन गाँव मैंनचेस्टर में सन् 1920 में लागू हुई।

FREE SAMPLE

=> इस योजना में बालक से एक समझौता किया जाता है निश्चित समय में निश्चित काम का ठेका दिया जाता है।

=> इस दौरान बालकों को पूर्ण स्वतंत्रता दी जाती है और सारी सुविधाएं भी दी जाती हैं।

=> यह विधि अबोध स्तर का शिक्षण करती है।

*डाल्टन योजना का प्रयोग :-

=> यह योजना 9 वर्ष से ऊपर के बालकों के लिए है।

=> यह ठेकेदारी प्रथा पर आधारित विधि है अतः इसे ठेका विधि भी कहते हैं।

=> विद्यार्थियों को जो भी कार्य दिया जाता था वह ठेके के रूप में प्रदान किया जाता है। जिसे निश्चित अवधि में पूरा करना होता है। अवधि का निर्धारण विद्यार्थी की रुचि के आधार पर होता है।

=> इस विधि में ठेके की अवधि 1 - 3 माह तक होती है।

=> इस विधि में विद्यार्थी के लिए ठेके की अवधि 1 वर्ष में 9 - 10 माह, 1 माह में 20 दिन, 1 माह में 4 सप्ताह और 1 सप्ताह में 5 दिन निश्चित किए गए हैं।

=> विद्यार्थी सप्ताह के आरंभ के 5 दिन विद्यालय में कार्य करता है। सप्ताह के छठवें दिन अध्यापक कार्यों का निरीक्षण करते हैं एवं परामर्श देते हैं। जब कार्य पूरा हो जाता है तो अध्यापक सम्पूर्ण कार्य का मूल्यांकन करते हैं और परामर्श भी देते हैं तथा अलग कार्य प्रदान करते हैं।

=> इस विधि में प्रायोगिक कार्यों पर विशेष महत्व दिया जाता है जिसे विद्यार्थी स्वयं निश्चित अवधि में प्रयोगशाला में प्रयोग करके पूरा करता है।

=> वर्तमान में सेमेस्टर प्रणाली भी इसी विधि पर आधारित है।

15. क्षेत्र भ्रमण विधि (Field Trip Method) :-

FREE SAMPLE

=> क्षेत्र भ्रमण पद्धति द्वारा सजीव व वास्तविक ज्ञान से सम्बद्ध होता है। इस विधि में विद्यार्थी को विषय - वस्तु से संबंधित क्षेत्र में भ्रमण के लिए ले जाया जाता है।

=> यह विधि विद्यार्थियों में पर्यवेक्षण तथा अवलोकन के कौशल का विकास करती है।

=> यह विधि विद्यार्थियों में व्यक्तिगत तथा सामाजिक दोनों प्रकार के विकास करने में सहायक है।

*क्षेत्र भ्रमण विधि के गुण :-

=> यह विधि विषय - वस्तु को स्पष्ट करने में सहायक है।

=> यह विधि विद्यार्थियों में रुचि उत्पन्न करने में सहायक है।

=> यह विधि विद्यार्थियों को मनोरंजन के साथ - साथ शिक्षा तथा जानकारी भी प्रदान करती है।

=> यह विधि विद्यार्थियों को बाहर की जीवन से संबंध स्थापित करने में सहायता करती है।

क्षेत्र भ्रमण विधि के अवगुण :-

=> इस विधि में अनुशासन की बनाए रखना बहुत कठिन है।

=> यह विधि खर्चीली विधि है।

=> इस विधि में अध्यापकों पर बहुत अधिक जिम्मेदारी रहती है।

=> यह विधि प्राथमिक कक्षाओं के लिए सुरक्षित नदी है।

=> इस विधि से पढ़ाने में समय अधिक लगता।

16 खोज विधि (Dicovery Method) :-

=> खोज विधि के जनक J.S

भूनर है।

=> यह विधि इतिहास विषय के लिए बहुत उपयोगी है।

=> इस विधि से बच्चों में संज्ञानात्मक क्रियात्मक तथा भावनात्मक आदि गुणों का विकास होता है।

=> इस विधि में बच्चों को ऐतिहासिक .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – 14

आकलन , मापन एवं मूल्यांकन का अर्थ एवं उद्देश्य , समग्र एवं सतत मूल्यांकन , उपलब्धि परीक्षण का निर्माण , सीखने का प्रतिफल

आकलन (Assessment) - एक अनौपचारिक प्रक्रिया होती है। इसका अभिप्राय विकास के किसी पहलू के आकलन से है।

मापन(Measurement) - अंकिक मान प्रदान करने की प्रक्रिया है।

स्टीवंस (Stevens)के अनुसार -" निश्चित स्वीकृति नियमों के अनुसार वस्तु को अंक प्रदान करने की प्रकिया मापन कहलाती है। "

अतः शिक्षा के क्षेत्र में मांपन का अर्थ परीक्षा में परीक्षार्थियों को अंक प्रदान करने की प्रक्रिया से लगाया जाता है। व्यापक अर्थ में मापन द्वारा किसी भी अवलोकन को परिणात्मक (Quantitstivaly) रूप से व्यक्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन (Evaluation) - एक विस्तृत एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जहां किसी मापन की उपयोगिता के संबंध में निर्णय या मूल्य प्रदान किया जाता है।

शिक्षा शब्दकोश के अनुसार - " किसी अवलोकन निष्पत्ति परीक्षण या किसी प्रत्यक्ष रुप से माँपित प्रदत्त को मूल प्रदान करने की प्रक्रिया ही मूल्यांकन है। "

FREE SAMPLE

कोठारी आयोग- " मूल्यांकन एक सतत प्रक्रिया है यह संपूर्ण शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न अंग है तथा इसका शिक्षण उद्देश्यों से घनिष्ठ संबंध है।"

NCERT के अनुसार - " मूल्यांकन एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा यह ज्ञात किया जाता है कि उद्देश्य किस सीमा तक प्राप्त किए गए हैं कक्षा में दिए गए अधिगम अनुभव कहां तक प्रभावशाली सिद्ध हुए हैं। "

टोरगेशन एवं ऐडम्स (Torgerson and Adoms)-" मूल्यांकन से अभिप्राय है कि किसी प्रक्रिया या वस्तु का मूल्य आंकना इसलिए शैक्षिक मूल्यांकन से तात्पर्य किसी ऐसे निर्णय लेने से है जिससे यह पता चले कि कोई शिक्षण प्रक्रिया अधिगम अनुभव की सीमा तक सार्थक रहा। "

कार्टर वी. गुड (Carter V. Good) - " मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसमें किसी जांच स्तर को आधार बनाकर किसी वस्तु का मूल्य या कीमत निर्धारित करने या आंकने की बात की जाती है "।

क्वलन एवं हैन (Quillen and Hanna)" -

मूल्यांकन व प्रक्रिया है जिसमें विद्यालय द्वारा बालकों में होने वाले व्यवहार परिवर्तनों के संबंध में सूचना एकत्रित की जाती है और उनकी व्याख्या की जाती है। "

मूल्यांकन की विशेषताएं -

मूल्यांकन में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया से संबंधित सभी प्रक्रियाओं द्वारा पूर्व की जाने वाली सभी प्रकार की भूमिकाओं को आंका जाता है अतः इसका क्षेत्र काफी व्यापक है परीक्षणों

की भांति इसमें सिर्फ छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को नहीं मापा जाता अपितु छात्रों के विवाह में होने वाली सभी प्रकार के परिवर्तनों का मापन किया जाता है तथा इन परिवर्तनों की व्याख्या भी की जाती है।

1. *मूल्यांकन निरंतर चलते रहने वाली प्रक्रिया है इस प्रक्रिया के माध्यम से विद्यार्थी के व्यवहार में होने वाली सभी परिवर्तनों की समय अनुसार जांच.....*

***नोट** – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ

RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 16

शिक्षा का अधिकार अधिनियम – 2009 अध्यापकों की भूमिका एवं दायित्व

RTE – Right to Education – 2009

- आजादी से पूर्व भारत में 1835 में लार्ड मैकाले ने अंग्रेजी शिक्षा पद्धति कि नींव रखी। तथा निस्मंदन सिद्धांत दिया जिसका उद्धेश्य था - " भारत में वो बाबू तैयार करना जो सूरत से भारतीय तथा अक्ल से अंग्रेज हो।"
- 1854 में वुड डिस्पेच जिसे भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा (महाधिकार पत्र) कहा जाता है। डिस्पैच का अर्थ है - सरकारी पत्र "

  नोट :- वुड डिस्पैच को आधुनिक शिक्षा का मैग्नाकार्टा (जनक) कहा जाता है।
- 1937 महात्मा गाँधी ने वर्धा योजना के दौरान नई तालीन (शिक्षा) या आधारभूत शिक्षा या बेसिक शिक्षा के द्वारा 14 वर्षों तक के विधार्थियों को निःशुल्क शिक्षा देने की बात कही। जिसमें सभी विद्यार्थियों को सामाजिक जीवन से संबंधित जीविकोपार्जन की शिक्षा प्रदान की जाये।

  नोट :- भारत में 1910 में गोपाल कृष्ण गोखले ने निः शुल्क शिक्षा प्रदान की मांग उठाई थी।

आर. टी. ई. का इतिहास :-

- 1947 में आजादी के बाद भारतीय संविधान के अनु. 45 में यह व्यवस्था की गई है कि - " 6 -14 वर्ष तक के बच्चों को आजादी के 10 वर्ष बाद अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा व्यवस्था कर दी जायेगी।"

FREE SAMPLE

- देश में शिक्षा में मूल अधिकार बनाने की बात 1997 के बाद अधिक जोर पकड़ने लगी जब.....ने इसे विधार्थी का मौलिक अधिकार घोषित कर दिया। जिसका परिणाम 1 दिसम्बर 2002 को 86 वें संविधान संशोधन के अनु० 21 ए भाग 3 में इसे मूल अधिकार का दर्जा दिया गया है।

नोट :- अनु. 45 में 0-6 वर्ष (बचपन की देखभाल) शेष रहा हैं। परन्तु अब समस्या यह थी कि इस सम्पूर्ण देश में लागू कैसे किया जाये। इसके लिये आर.टी.ई. का उदय हुआ।

आर.टी.ई. कि कानूनी प्रक्रिया :-

20 जुलाई 2009 राजयसभा में पारित

4 अगस्त 2009 लोकसभा में पारित

1 अप्रेल 2010 पूरे देश में लागू

नोट :- आर.टी.ई. जम्मू और कश्मीर में लागू नहीं हैं।

आर.टी.ई. की संरचना :-

अध्याय- (1) प्रस्तावना 1

अध्याय- (2) नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम।

अध्याय- (3) समुचित सरकार स्थानीय प्राधिकारी माता - पिता के कर्तव्य

अध्याय-(4) विद्यालय एवं शिक्षकों के उत्तरदायित्व

अध्याय-(5) प्रारम्भिक शिक्षा का पाठ्यक्रम तैयार करना। और उसे पूर्ण करना।

अध्याय-(6) बाल संरक्षण अधिनियम(2005) / बाल अधिकारी संरक्षण अधिनियम (2005)।

अध्याय-(7) प्रकीर्ण (विशेषाधिकारों को शामिल किया गया।

नोट :- आर.टी. ई. एक्ट का सबसे बडा अध्याय- अध्याय (4) हैं।

बाल संरक्षण अधिनियम (2005) - बालक के अधिकारों की सुरक्षा करता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

आर.टी.ई. कि धाराएं :-

धारा (3) - देशभर में 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को 8वीं तक निशुल्क शिक्षा।

धारा (4) - आयु के अनुसार कक्षा कक्ष में .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)

राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

- ***अध्यापकों की भूमिका एवं दायित्व***

प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री एडम्स कहते हैं कि शिक्षा एक द्विमुखी प्रक्रिया है, शिक्षा द्विमुखी रूपी प्रक्रिया की दो धुरियाँ हैं, एक है 'शिक्षक' तथा दूसरी है 'शिक्षार्थी'। अतः शिक्षक को बालक की प्रवृत्तियों, रुचियों, क्षमताओं, योग्यताओं और आवश्यकताओं का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए।

किसी भी विषय के शिक्षण की सफलता अध्यापक पर ही निर्भर करती है। विद्यालयी कक्षाओं में बालकों के लिए अध्यापक ही प्रेरणा और ज्ञान का सहज एवं सुलभ स्रोत है। एक शिक्षक को अपने दायित्वों का भलीभांति निर्वाह करने तथा शिक्षण में सफलता करते हुए निम्न विशेषताओं का होना आवश्यक है -

- *विषय का पूर्ण ज्ञान - शिक्षक को अपने विषय का नवीनतम पूर्ण ज्ञान होना चाहिए ताकि वह आत्मविश्वास के साथ प्रभावी अध्यापन करवा सके। प्रतिभावान एवं सृजनात्मक विद्यार्थियों की शंकाओं व कठिनाइयों का निवारण सहजता व स्पष्टता से कर सके तथा ऐसे अधिगमकर्ताओं की गहन अध्ययन के लिए सन्दर्भित पुस्तकों / साहित्य का स्वाध्यायकरने हेतु मार्ग - निर्देशित एवं अभिप्रेरित करने में सक्षम हो।*
- *प्रभावशाली व्यक्तित्व - अध्यापक का व्यक्तित्व प्रभावशाली हो। वह शारीरिक तथा मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ हो। उसके आचार - विचार, रहन - सहन, खान - पान एक आदर्श ही होना चाहिए। ऐसा अध्यापक ही बालकों पर प्रभाव डाल सकता है और उनका सर्वांगीण विकास कर सकता है।*
- *सहनशीलता - शिक्षक को छात्रों को कोई तथ्य, सिद्धांत या सूझ समझाते समय बहुत ही धैर्यपूर्वक काम लेना चाहिए। शिक्षक में ज्ञान संचय की इच्छा होनी चाहिए। अध्यापक को कभी भी अपना धैर्य नहीं खोना चाहिए तथा बच्चों को.....*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 18

प्रसिद्ध पुस्तकें व लेखक

लेखक	पुस्तक
विलयम जेम्स	मनोविज्ञान के सिद्धांत (प्रिंसिपल ऑफ साइकोलॉजी)
मैक्डुगल	आउट लाइन ऑफ साइकोलॉजी, सामाजिक मनोविज्ञान एक परिचय
वाट्सन	साइकोलॉजी एज ए बिहेवियरियट व्यूज इट, व्यवहारवाद
जॉन डीवी	स्कूल और समाज
हेनरी काल्डवेल कुक	प्ले वे
थार्नडाइक	शिक्षा मनोविज्ञान, एनिमल इन्टेलिजेन्स
सी.एल. हल	प्रिंसिपल ऑफ बिहेवियर
गिलफोर्ड	फिल्ड ऑफ साइकोलॉजी
स्प्रेन्गर	टाइप्स ऑफ मैन
क्रेचमर	फिजिक एण्ड करेक्टर
फ्रायड	इन्टरप्रेटेशन ऑफ ड्रीम

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

(1902)

सी. डब्ल्यू	माइण्ड दट फाउण्ड
	इटशेल्फ
थर्स्टर्न	प्राथमिक मानसिक
	योग्यतायें

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)

राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

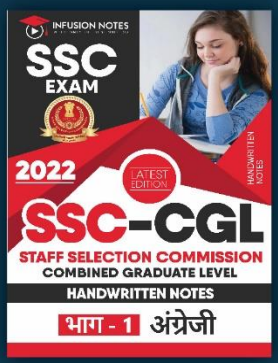
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

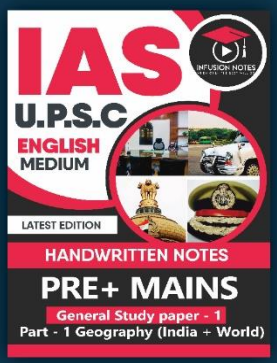
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

AVAILABLE ON/

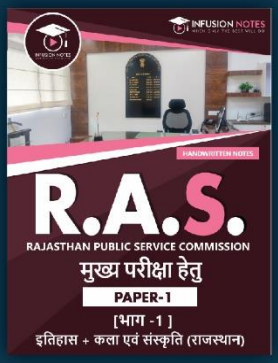
www.infusionnotes.com 01414045784 contact@infusionnotes.com

OTHER EDITIONS...













Whatsapp -https://wa.link/7mh1o2 84 website- https://bit.ly/reet-level-1-notes